पाठ संख्या – 2 **प्रकृति चित्रण**

प्रस्तावना

प्रकृति सदैव कलाकारों की प्रेरणा स्रोत रही है। कलाकार प्रकृति की सुंदरता की अनुभूति कर उसे चित्रित करते हैं। पेड़-पौधे, फूलों के अनेक रूप तथा रंग, पर्वत शृंखलाएं कलाकारों के आकर्षण के प्रिय विषय रहे हैं।

प्रयोग में आने वाली सामग्री

1. ड्राईंग बोर्ड
2. ड्राईंग पेपर व कैनवास
3. ड्राईंग पिन एवं ईजल
4. पैंसिल, पैन एवम् स्याही, पेस्टल एवं मोम रंग
5. जल रंग, पोस्टर रंग, एक्रैलिक रंग, तेल रंग
6. ब्रश
7. कलर मिश्रण प्लेट

प्रकृति चित्रण में याद रखने वाले प्रमुख तत्व

प्रकृति चित्रण

- परिदृष्टि
- संतुलन
- संयोजन
- समन्वय
- रंग

परिदृष्टि के आधारभूत नियमों को जानिये

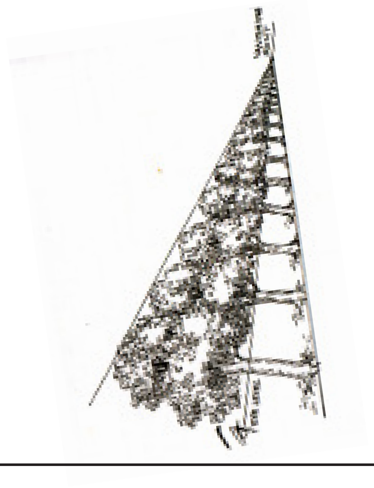

चित्र 1

- सामने से पीछे की ओर जाती हुई वस्तु आकार में छोटी होती जाती है।
- दूरी के अनुसार वस्तु का धुंधलापन निर्भर करता है।
- सभी रेखाएं क्षितिज की तरफ जाती हुई एक लुप्त बिन्दु से मिलती हुई प्रतीत होती हैं।

संतुलन की भूमिका

चित्र 2

- पेपर में उपलब्ध स्थान को संतुलित रखें। अगर पेपर के एक छोर पर वृक्ष दर्शाया गया है तो संयोजन में संतुलन रखने के लिए दूसरे छोर पर भी कोई अन्य आकार बनाएं।

पेपर पर संयोजन व्यवस्था

चित्र 3

- पेपर पर उपलब्ध स्थान को किसी भी आकार से भरें।
- सभी आकार संतुलित और समन्वयित होने चाहिए।
- स्थान की गहराई को दर्शाने के लिए परिदृष्टि का प्रयोग करें।

उपरोक्त सभी बिन्दुओं का सटीक प्रयोग अच्छे संयोजन में सहायक होगा।

समन्वय प्रकृति चित्रण के सौन्दर्य को बढ़ाता है।

चित्र 4

- रंग, रेखा और आकार का आपसी तालमेल एवं लयात्मक गति समन्वय लाती है।
- समन्वय, विरोधात्मक तत्वों में एकरूपता लाने में सहायता करता है।

रंगों का महत्व

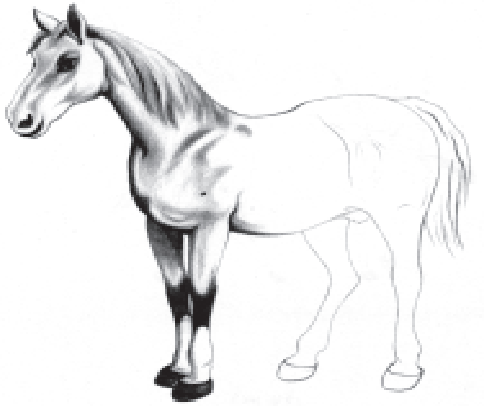

चित्र 5

- चित्र में रंगों का प्रयोग केवल सुंदरता को ही नहीं बढ़ाता अपितु तत्वों को वास्तविकता भी देते हैं।
- रंगों में सजावट के साथ-साथ सांकेतिक मूल्य भी हैं।

प्रकृति चित्रण के विभिन्न चरणों को सीखें

चित्र 6

चरण - 1

- प्रकृति चित्रण के लिए आप कोई भी माध्यम चुन सकते हैं।
- जल रंग का प्रयोग कर सकते हैं (पोस्टर रंग एवं जल रंग ट्यूब)।
- पत्तियों और तने के साथ फूलों का गुच्छा अपने सामने सजाएं।
- सख्त या हैण्डमैड पेपर बोर्ड पर रखें (आकार ½ इम्पीरियल)।
- HB पैंसिल से फूलों का रेखांकन करें।

<table>
<tr><th>चरण - 2</th><th>चरण - 3</th></tr>
<tr><td>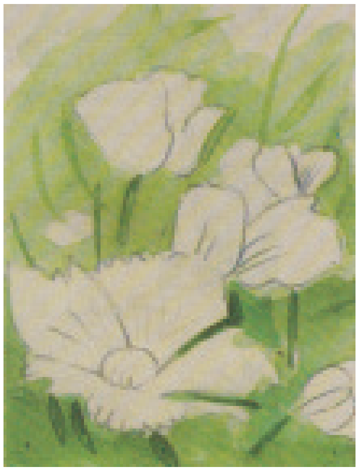
चित्र 7
• गाढ़े रंग को प्लेट में घोलें।
• पीले फूल और हरी पत्तियों को उभारने के लिए पीछे की सतह में कोबाल्ट ब्लु और क्रिमसन रैड रंग को चुनें।
• पिछली सतह में बारीक स्थानों पर चार नम्बर ब्रश का प्रयोग करें और चौड़ी सतह के लिए आठ नम्बर ब्रश का प्रयोग करें।</td><td>
चित्र 8
• फूलों को क्रोम पीला रंग लगाएं (अगर फूल पीले हैं)।
• कोमल प्रभाव लाने के लिए क्रोम पीले की गहरी सतह पर यैलो ऑकर का प्रयोग करें।
• तनें और पत्तियों पर हल्का हरा रंग लगाएं। छायाकंन के लिए गहरा हरा और कहीं-कहीं ब्राऊन रंग का प्रयोग करें।</td></tr>
</table>

क्या आप जानते हैं?

- स्कैचिंग (रेखाचित्र) प्रकृति चित्रण का एक महत्वपूर्ण भाग है।
- अच्छे संयोजन के लिए परिदृष्टि, संतुलन एवं समन्वय का प्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।
- प्रकृति रंगों से भरपूर है अपने चित्र में इन रंगों को संजोकर आनन्द का अनुभव करें।

स्व-मूल्यांकन

- मेज पर फूलों का एक गुच्छा रखें, पैंसिल से इसका रेखांकन करें।
- कैमरे से तस्वीर खींचकर अपने रेखांकन से इसकी तुलना करें।
- अगर आप संतुष्ट हैं तो रंगों का प्रयोग करें।
- अपनी प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए इन्हीं तरीकों द्वारा (स्ट्रीट, गार्डन, पहाड़ी क्षेत्र, बगीचा) के साथ पुनरावृत्ति करें।

मूल्यांकन के उत्तर

 चित्र संख्या 1	**चरण 1** • गुलाबी फूलों को फूलदान में रखें। • HB पैंसिल से फूलों का रेखांकन करें। • कैमरे से तस्वीर खींचकर अपने रेखांकन से इसकी तुलना करें।
 चित्र संख्या 2	**चरण - 2** • हल्के हरे रंग में पानी मिलाकर प्लेट में घोलें। • आठ नम्बर ब्रश से पिछली सतह में रंग भरें। • कुछ देर बाद तने में गाढ़ा हरा रंग भरें।
 चित्र संख्या 3	**चरण - 3** • क्रिमशन लाल रंग को पानी के साथ घोलकर हल्का लाल रंग बनाएं और इस रंग को फूलों में लगाएं।

चित्र संख्या 4

चरण - 4

- अंत में क्रिमशन लाल रंग को ब्रश नं. चार की सहायता से लगाकर उत्तम परिणाम लाएं।